प्रकरण सं0 ....अनवान.........

Continuation Note Sheet

02-2-18 वकील उभयपक्ष उप0। तनकी कायम की गई। पत्रावली वास्ते साक्ष्य वादी दिनांक 27-2-18 को पेश हो।

27-2-18 प्रार्थी द्वारा स्वयं उपस्थित होकर एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया जिसमे प्रार्थी द्वारा निवेदन किया गया कि प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में जिस अनुतोष की मांग की गई है प्रार्थी अब वो अनुतोष नहीं चाहता है एवं उक्त प्रकरण में पक्षकारों के मध्य राजीनामा होने से वह इस प्रकरण में आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहता।

प्रार्थी द्वारा प्रकरण में आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहने एवं वाद को नहीं चलाने के कारण वाद को इसी स्टेज पर खारिज किया जाता है पत्रावली फैसला शुमार होकर बाद तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हो।

(यशपाल आहूजा)
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)
श्रीगंगानगर